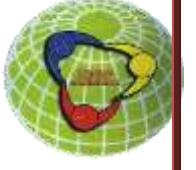




Media Scanning & Verification Cell



Media alert from the Media Scanning & Verification Cell, IDSP-NCDC.

Alert ID	Publication Date	Reporting Date	Place Name	News Source/Publication Language
7633	09.08.2023	09.08.2023	Dholpur Rajasthan	www.bhaskar.com/Hindi https://www.bhaskar.com/local/rajasthan/dholpur/rajakheda/news/12-people-in-the-grip-of-diarrhea-in-rajkheda-131657164.html
Title:	Diarrhoea spread in Rajkheda in district Dholpur, Rajasthan			
Action By CSU, IDSP -NCDC	Information communicated to DSU – Dholpur, SSU- Rajasthan			

धौलपुर जिले के माधोपुरा गांव में डायरिया फैल गया। जिला अस्पताल में एक साथ 11 मरीज पहुंचे तो मंगलवार को मेडिकल टीम गांव में पहुंची। गांव में 54 लोग पेट दर्द और उल्टी-दस्त से परेशान मिले। इनमें 31 बच्चे, 13 पुरुष और 10 महिला हैं। गांव में ही पेड़ों के नीचे चारपाई पर मरीजों को ड्रिप चढ़ाई जा रही है।

बीसीएमओ डॉ. रामनरेश ने बताया कि गांव का रामसेही शुक्रवार को ब्रज की 84 कोस की परिक्रमा कर लौटा था। शनिवार को उसको उल्टी-दस्त होने लगे। पीएचसी गया तो डॉक्टर ने डायरिया बताया और दवाई दी। सही नहीं होने पर वह धौलपुर जिला अस्पताल गया। दवा लेकर घर आ गया।

रविवार को रामसेही के घर से 500 मीटर दूर एक परिवार के 5 लोगों को डायरिया की शिकायत हुई। वे भी धौलपुर जिला अस्पताल पहुंचे। इसके बाद सोमवार को एक साथ गांव के 11 लोग जिला अस्पताल पहुंचे। 7 की तबीयत ज्यादा खराब होने पर भर्ती कर लिया गया। वहीं 4 अन्य को दवा देकर घर भेज दिया गया।

मामले बढ़ते देखकर गांव में भेजी मेडिकल टीम

डायरिया के बढ़ते मामलों को देखकर मंगलवार को डिप्टी सीएमएचओ चेताराम मीणा के नेतृत्व में एक टीम गांव में भेजी गई। जिसमें धौलपुर जिला अस्पताल, हथवारी पीएचसी, राजाखेड़ा सीएचसी के डॉक्टर्स और अन्य स्टाफ शामिल था। बीसीएमओ डॉ. रामनरेश ने बताया कि मैं भी टीम में शामिल होकर गांव गया था।

Save Water- Save Life, Save a tree- Don't print unless it's really necessary!

Disclaimer:- This is a media alert subject to verification.

Integrated Disease Surveillance Programme (IDSP), National Centre for Disease Control,

Ministry Of Health & Family Welfare, Government of India

22-Sham Nath Marg, Delhi – 110 054

For more information please contact: Media Scanning & Verification Cell: - Phone (011)23946029

Email: - idspsc@nic.in, idsppn@nic.in

Join us on



https://twitter.com/IDSP_MSVC



यहां सर्वे किया तो 6 अन्य लोगों में भी डायरिया के लक्षण पाए गए। इसके बाद गांव के तीन सौ घरों की जांच की गई तो 15 साल तक के 31 बच्चे डायरिया से पीड़ित पाए गए। अब तक 54 लोग डायरिया से पीड़ित मिल चुके हैं। टीम गांव में ही सभी का इलाज कर रही है। मेडिकल टीम ने गांव के पानी और मरीजों के ब्लड सैंपल लिए हैं।

क्या है डायरिया?

डॉ. रामनरेश ने बताया कि डायरिया तीन प्रकार का होता है। पहला एक्यूट वाटरी डायरिया, जिसमें दस्त होता और यह कुछ घंटों या कुछ दिनों तक ही होता है। इससे वजन में गिरावट होने का खतरा बढ़ जाता है। दूसरा एक्यूट ब्लडी डायरिया जिसे शूल के नाम से भी जाना जाता है। इससे आंत में संक्रमण और कुपोषण का खतरा बढ़ जाता है। तीसरा परसिस्टेंट डायरिया जो 14 दिन या इससे अधिक समय तक रहता है।

डॉक्टरों की ये सलाह

बीसीएमओ ने बताया कि घर के आसपास पानी नहीं भरने दें। कूलर, गमले या अन्य जगह भरे पानी को बदलते रहें। खाने की सामग्री खुले में नहीं रखें। बासी खाना खाने से बचें। दो दिन तक फ्रीज में रखा सामान भी उपयोग में नहीं लें। घर में पानी को उबाल कर ठंडा कर उपयोग में लें। बाहर के अधिक मसालेदार खाना और जंक फूड के सेवन से बचें।

बच्चों का रखें खास ध्यान

डॉ. रामनरेश ने कहा कि डायरिया बच्चों के लिए काफी गंभीर होता है। समय-समय पर बच्चों का हेल्थ चेकअप कराते रहना चाहिए। साथ ही उनके खानपान का शेड्यूल निर्धारित रखें। उसके अनुसार ही बच्चों की दिनचर्या बनाएं।

💧 Save Water- Save Life, 🌳 Save a tree- Don't print unless it's really necessary!

Disclaimer:- This is a media alert subject to verification.

Integrated Disease Surveillance Programme (IDSP), National Centre for Disease Control,

Ministry Of Health & Family Welfare, Government of India

22-Sham Nath Marg, Delhi – 110 054

For more information please contact: Media Scanning & Verification Cell: - Phone (011)23946029

Email: - idspace@nic.in, idspace-npo@nic.in

Join us on



https://twitter.com/IDSP_MSVC

